# खाद्य प्रसंस्करण में निवेश कर रहे हैं दूसरे राज्यों के उद्यमी

## कमिटी ने पारित किए ₹700 करोड़ के निवेश प्रस्ताव

रामपुर में ₹300 करोड़ से प्रसंस्करण इकाई लगाएंगे गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और उत्तराखंड के उद्यमी

■ **NBT रिपोर्ट, लखनऊ :** दूसरे राज्यों के उद्यमी यूपी में खाद्य प्रसंस्करण में निवेश कर रहे हैं। रामपुर में गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और उत्तराखंड के उद्यमी ₹300 करोड़ का निवेश करने जा रहे हैं। यहां वे मटर, गाजर, गोभी, पालक और मशरूम की प्रसंस्करण इकाई खोलेंगे। यह जानकारी कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार ने बुधवार को खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति 2023 के तहत गठित राज्य स्तरीय इम्पावर्ड कमिटी(SLEC) की बैठक में दी। उन्होंने बताया कि डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशन में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति के तहत SLEC अब तक ₹700 करोड़ के प्रस्ताव पारित कर चुकी है। इनमें ₹150 लाख का अनुदान भी दिया जाएगा।

बैठक में दीपक कुमार ने बताया कि बुलंदशहर के उद्यमी राहुल अग्रवाल अफ्रीका के बेनिन से समन्वय कर ₹9 करोड़ का काजू का प्लांट अपने शहर में लगाने जा रहे हैं। गोरखपुर, वाराणसी के उद्यमी अपने प्लांट पर सोलर संयंत्र स्थापित कर रहे हैं। इसमें 75 KW पर ₹50 लाख अनुदान दिया जाएगा। बैठक में खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अपर मुख्य सचिव बीएल मीणा ने बताया कि 10 बैठकों में 331 प्रस्तावों को स्वीकृति दी जा चुकी है। प्रदेश के निवेशकों के साथ दूसरे राज्यों के निवेशक भी जमीन लेकर फ्रोजेन फूड प्रॉसेसिंग की यूनिट लगा रहे हैं। हर यूनिट को औसतन 60 हजार क्विंटल फल और सब्जियों की जरूरत होगी, जो प्रदेश में ही उपलब्ध हैं। प्रदेश में 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार 295.84 लाख मीट्रिक टन सब्जियों का उत्पादन होता था। यह बढ़कर अब 360 लाख टन हो गया है।